काटोवाइस में गर्म माहौल

यह आलेख सामान्य अध्ययन प्रश्न-पत्र-III (पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी) से संबंधित है।

द हिन्दू

लेखक -सुजाता बिरवान (वैज्ञानिक)

18 दिसंबर, 2018

सबसे गरीब और विकासशील देशों के लिए चिंता के सबसे प्रमुख मुद्दों को कमजोर या इसे स्थगित कर दिया गया है।

स्वीडन के 15 वर्षीय कार्यकर्त्ता ग्रेटा थुनबर्ग ने काटोवाइस, पोलैंड में संयुक्त राष्ट्र के सदस्यों के समक्ष अपने सीधे-सादे भाषण में कहा कि जब तक आप राजनीतिक रूप से क्या संभव हो सकता है या नहीं यह सोचने के बजाय इस बात पर ध्यान केन्द्रित करेंगे कि क्या करने की आवश्यकता है, तब तक किसी भी चीज से उम्मीद करना व्यर्थ ही साबित होगा। लेकिन जैसा इन्होंने कहा वैसा हाल ही में जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र संरचना सन्धिपत्र (सीओपी-24) के पार्टियों के सम्मेलन की 24वीं बैठक में नहीं हुआ।

हालाँकि, इस प्रक्रिया पर कुछ प्रगति हुई थी जिसके द्वारा 2015 का पेरिस समझौता लागू किया जाएगा, लेकिन समस्या यह है कि सबसे गरीब और विकासशील देशों के लिए चिंता के मुख्य मुद्दे को कमजोर या स्थगित कर दिया गया है।

1.5 डिग्री रिपोर्ट, जिसे अक्टूबर 2018 में जलवायु परिवर्तन पर अंतर-सरकारी पैनल द्वारा जारी किया गया था, ने दिखाया है कि हमारी पृथ्वी एक गंभीर जलवायु आपदा के करीब है। हालांकि, इस रिपोर्ट को यू.एस., सऊदी अरब और रूस द्वारा सबूत आधारित कारण के रूप में उपयुक्त रूप से स्वीकार नहीं किया गया। इन देशों ने रिपोर्ट को स्वागतयोग्य नहीं माना।

हम सभी जानते हैं कि यू.एस. पेरिस समझौते से बाहर हो रहा है, औपचारिक रूप से 2020 के उत्तरार्ध तक, लेकिन अभी भी यह पेरिस समझौते के कई सहमत नियमों का निर्णय लेने (या फिर से लिखने) में भाग लेता है।

शिखर सम्मेलन का उद्देश्य पेरिस समझौते पर कार्यान्वयन और रिपोर्टिंग के लिए दिशा-निर्देश स्थापित करना है। देश व्यवस्थित, मानकीकृत तरीके से किए गए कार्यों की निगरानी, सत्यापन और रिपोर्ट करने के लिए एक उन्नत पारदर्शिता ढांचे को स्थापित करने की तलाश में थे। जैसा कि उनके राष्ट्रीय रूप से निर्धारित योगदान (एनडीसी) में बताया गया है, सभी देश कार्बन के न्यूनीकरण पर ध्यान देंगे। लेकिन अनुकूलन कई विकासशील देशों की योजनाओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। पारदर्शिता - उत्सर्जन को कम करने के लिए क्या किया जाएगा, देश कैसे प्रगति को मापेंगे और रिपोर्ट करेंगे और औद्योगिक देश कितना समर्थन प्रदान करेंगे - चर्चाओं का एक महत्वपूर्ण पहलू था।

गरीब देशों द्वारा किए गए नुकसान और क्षति के लिए समृद्ध देशों से भी धन की आवश्यकता थी। हालाँकि, यह बैठक हानि और क्षति के बारे में नहीं थी, लेकिन इस मुद्दे को अधिक प्राथमिकता मिलेगी क्योंकि वार्मिंग प्रभाव तेज हो गया है। प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और क्षमता निर्माण समर्थन भी कमजोर और गरीब देशों के लिए आवश्यक है, ताकि ये देश उच्च से कम कार्बन अर्थव्यवस्थाओं में खुद को रूपांतरित कर सकें।

निष्पक्षता की कमी

गौरतलब हो कि गरीब और विकासशील देशों के लिए कोई वित्त उपलब्ध नहीं है। वित्त पोषण क्षमता पर ब्यौरा स्थगित कर दिया गया है। ड्राफ्ट नियम पुस्तिका में इक्विटी यानी निष्पक्षता के संदर्भ अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल द्वारा मिटा दिए गए थे। कार्बन बाजारों और बीमा तंत्र पर जोर देने के बजाय अनुच्छेद-9 (औद्योगिक राष्ट्रों के विकासशील देशों को वित्तीय सहायता का प्रावधान) को अनदेखा कर दिया गया। वित्त पर तब तक विचार नहीं किया गया, जब तक अफ्रीकी समूह के राष्ट्रों ने चर्चाओं का बहिष्कार करके इस मुद्दे को खारिज करने के लिए मजबूर नहीं किया।

इन समस्याओं के बावजूद, सभी देशों के लिए एक एकल नियम तैयार किया गया है, जो अधिक विस्तृत नियमों और संरचनाओं के लिए आधार के रूप में कार्य करेगा। कई अंतर्राष्ट्रीय नागरिक समाज समूहों ने इक्विटी की उपेक्षा पर पूरी तरह से निराशा व्यक्त की है। इससे गरीब और विकासशील देश जिनके ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन कम या नगण्य हैं, वे वार्मिंग प्रभावों का शिकार हो जाएंगे।

मौजूदा एनडीसी के कार्यान्वयन के लिए भी वित्त को फिर से शुरू किया जाएगा या नहीं, यह अभी तक अस्पष्ट है। वित्त के लिए धन, विकासशील और कमजोर देशों को स्थानांतरित करने के लिए नई प्रौद्योगिकियों के बारे में बेहतर शर्तें और हानि तथा क्षति के लिए आर्थिक और गैर-आर्थिक सहायता को कम कर दिया गया है।

एक भ्रम

हमें याद रखना चाहिए कि यूरोपीय संघ, ऑस्ट्रेलिया, स्विट्जरलैंड और जापान, अमेरिका से असहमत नहीं थे, जब इक्विटी को हटा दिया गया था। वास्तव में, उन्होंने एक तरह से सहमति दी थी। इसलिए यू.एस. को एक गैर-जिम्मेदार के रूप में इंगित करना गलत होगा। देखा जाये तो जलवायु समझौते ने पाठ के प्रारूपण में निगमों की महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

एक शैल निगम के कार्यकारी ने हाल ही में पेरिस समझौते के पाठ के कुछ हिस्सों को लिखने में भूमिका निभाई है, विशेष रूप से अनुच्छेद 6, जो बाजार तंत्र और कार्बन क्रेडिट से संबंधित है। अंत में जब तक कि लोग और सरकारें जलवायु और पर्यावरण को विकास और जीडीपी वृद्धि के लिए मामूली मानते रहेंगे, तब तक जलवायु परिवर्तन के कारण दुनिया की अर्थव्यवस्था कमजोर होती रहेगी।

GS World टीम...

COP -24

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में पोलैंड के कैटोविस नगर में संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन ढाँचे (UNFCCC) से सम्बंधित पक्षकारों का 24वाँ सम्मलेन COP-24 सम्पन्न हुआ।
- इस सम्मलेन में एक भारतीय पैविलियन भी लगाया गया जिसके उद्घाटन में भारत सरकार के पर्यावरण मंत्री डॉ. हर्षवर्धन सम्मिलित हुए।
- भारतीय पैविलियन की थीम थी-"एक विश्व, एक सूर्य, एक ग्रिड/"One World One Sun One Grid"।
- वैश्विक जलवायु से सम्बंधित कार्यकलाप के लिए भारत के नेतृत्व को विश्व सराहता है।
- इसी क्रम में इसी वर्ष संयुक्त राष्ट्र ने भारत के प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी को "चैंपियन ऑफ दी अर्थ पुरस्कार" दिया था।
- यह पुरस्कार उनके द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सौर संघ को आगे बढ़ाने तथा भारत को 2022 तक प्लास्टिक-मुक्त करने के उनके संकल्प के लिए दिया गया था।

COP-24 क्या है?

- COP-24 संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन ढाँचे (UNFCCC) से सम्बंधित पक्षकारों के सम्मेलन को कहते हैं।
- यह संस्था UNFCCC के प्रावधानों के कार्यान्वयन और उसकी समीक्षा सुनिश्चित करता है।

UNFCCC क्या है?

- UNFCCC एक अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण विषयक संधि है जो 21 मार्च, 1994 से लागू है। अब इसमें विश्व के लगभग सभी देश सदस्य बन चुके हैं।
- दिसम्बर, 2015 तक इसमें 197 सदस्य हो गये थे।
- इस संधि का उद्देश्य जलवायु प्रणाली में मानव के खतरनाक हस्तक्षेप को रोकना है।

जलवायु परिवर्तन हेतु 200 बिलियन डॉलर का निवेश

सन्दर्भ

- हाल ही में विश्व बैंक ने जलवायु परिवर्तन की समस्या से निपटने के लिए निवेश बढ़ाने की घोषणा की है।
- विश्व बैंक के अनुसार वर्ष 2021-25 के लिए जलवायु परिवर्तन की मुसीबत से निपटने के लिए फंडिंग को दोगुना करने का निर्णय लिया है।
- विश्व बैंक द्वारा इस राशि को बढ़ाकर 200 अरब डॉलर करने की घोषणा की गई है।
- विश्व बैंक ने राशि दोगुनी करने की घोषणा जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (यूएनएफसीसीसी) के समिट में की थी।
- विश्व बैंक द्वारा जारी बयान में कहा गया कि लगभग 100 अरब डॉलर सीधे विश्व बैंक से फंड किए जाएंगे।
- इसके अलावा शेष राशि को विश्व बैंक की दो एजेंसी से जुटाया जाएगा।

मुख्य बिंदु

- जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विकसित देशों ने विकासशील देशों में निवेश करने पर सहमति जताई थी।
- वर्ष 2020 तक के लिए 100 बिलियन डॉलर दिए जाने हैं। वर्ष 2016 में 48.5 बिलियन डॉलर और 2017 में 56.7 बिलियन डॉलर दिए गए थे।
- 200 में से 100 बिलियन डॉलर की रकम विश्व बैंक की तरफ से दी जाएगी। इसके अलावा बाकी पैसा वर्ल्ड बैंक की जुड़ी एजेंसियों से जुटाया जाएगा।
- विश्व बैंक के सीनियर डायरेक्टर जॉन रूमे के अनुसार यदि हम उत्सर्जन कम करने में नाकाम रहते हैं तो 2030 तक 10 करोड़ लोग गरीबी में पहुंच जाएंगे।
- अफ्रीका, दक्षिण एशिया और लैटिन अमेरिका से 13 करोड़ लोग पलायन कर चुके हैं।
- विकासशील देशों के सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्रों तक मदद पहुंचती रहे, इसके लिए विश्व बैंक एक ढांचा बनाना चाहता है।
- विश्व बैंक स्मार्ट खेती और पानी की उपलब्धता के लिए निवेश करेगा।

संभावित प्रश्न (प्रारंभिक परीक्षा)

1. हाल ही में सम्पन्न संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन से सम्बन्धित पक्षकारों का 24वाँ सम्मेलन के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-
   1. इस वर्ष कोप-24 पोलैंड के कैटोविस शहर में आयोजित किया गया।
   2. इस शिखर सम्मेलन का उद्देश्य पेरिस समझौते पर कार्यान्वयन और रिपोर्टिंग के लिए दिशानिर्देश स्थापित करना था।

   उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन असत्य नहीं है/हैं?
   (a) केवल 1 (b) केवल 2
   (c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1, न ही 2

2. 1.5 डिग्री रिपोर्ट, जिसे अक्टूबर, 2018 में जलवायु परिवर्तन पर अंतर सरकारी पैनल द्वारा जारी किया गया था, को किन राष्ट्रों ने स्वीकार नहीं किया?
   1. चीन 2. यू.एस.ए.
   3. सऊदी अरब 4. रूस
   5. ऑस्ट्रेलिया

   कूट:
   (a) 1 और 2 (b) 2 और 3
   (c) 2, 3 और 4 (d) उपर्युक्त सभी

3. हाल ही में संयुक्त राष्ट्र ने वैश्विक जलवायु से सम्बन्धित क्रियाकलाप के लिए 'चैंपियन ऑफ दी अर्थ पुरस्कार' किसे प्रदान किया?
   (a) ग्रेटा थुनवर्ग (स्वीडन)
   (b) नरेन्द्र मोदी (भारत)
   (c) एंजेला मार्केल (जर्मनी)
   (d) बेंजामिन नेतन्याहू (इजराइल)

4. यूएनएफसीसीसी (UNFCCC) के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. यह एक अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण विषयक संधि है जो 21 मार्च, 1994 को लागू किया गया।
2. इस संधि का उद्देश्य जलवायु प्रणाली में मानव के खतरनाक हस्तक्षेप को रोकना है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य नहीं है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1, न ही 2

संभावित प्रश्न (मुख्य परीक्षा)

प्रश्न: हाल ही में जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र संरचना संधिपत्र के पार्टियों के 24वीं बैठक कोप-24 के उद्देश्यों को स्पष्ट करते हुए भारत द्वारा वैश्विक जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए किए जा रहे प्रयासों की चर्चा कीजिए।
(250 शब्द)

नोट : 17 दिसम्बर को दिए गए प्रारंभिक परीक्षा (संभावित प्रश्न) का उत्तर 1(d) होगा।

GS World
Committed To Excellence